

## भारत का राजचहिन

### प्रलिस के लयल:

राज्य प्रतीक, मूर्य साम्राज्य, मूर्य वासतुकला, राष्ट्रीय प्रतीक

### मेन्स के लयल:

राज्य प्रतीक का महत्त्व, राज्य प्रतीक का उपयोग, मूर्य साम्राज्य और वासतुकला का महत्त्व, भारत के राष्ट्रीय प्रतीक

### चर्चा में क्यौं?

भारत के प्रधानमंत्री ने हाल ही में नरिमाणधीन [नए संसद भवन](#) के शीर्ष पर 6.5 मीटर ऊँचे **राष्ट्रीय प्रतीक** का अनावरण कयल।



सत्यमेव जयते

## भारत का राष्ट्रीय चहिन:

### परचय:

- भारत का **राज्य प्रतीक** भारत गणराज्य का **राष्ट्रीय प्रतीक** है और इसका उपयोग केंद्र सरकार, कई राज्य सरकारों और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा कयल जाता है।

### इतहास:

- भारत का राजचहिन (राष्ट्रीय प्रतीक) **सारनाथ स्थलल अशोक के सहल सतंभ की अनुकृतल** है।
  - मूल रूप में इसमें **चार शेर** हैं जो चारों दशलओं की ओर मुँह कयल खड़े हैं। इसके नीचे एक गोल आधार है जसल पर **हाथी, घोड़ा, एक बैल और एक सहल** बने हैं जो **दौडती हुई मुद्रा** में हैं। ये गोलाकार आधार खलल हुए उलटे लटके कमल के रूप में हैं।

- इसे एकाक्षर पत्थर को तराशकर बनाया गया है तथा इसके शीर्ष पर धम्म चक्र सुशोभित है।

#### ■ अपनाया गया प्रतीक:

- राष्ट्र के प्रतीक में इसे **26 जनवरी, 1950** में भारत सरकार द्वारा अपनाया गया था, इसमें केवल तीन सहि दिखाई देते हैं और चौथा छपा हुआ है जो दिखाई नहीं देता है।

## भारत के राष्ट्रीय प्रतीक की मुख्य विशेषताएँ:

- भारत का राज्य चहिन भारत सरकार की आधिकारिक मुहर है।
- चार जानवरों को चार दशाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए दर्शाया गया है:
  - एक दौड़ता हुआ घोड़ा: पश्चिमि दशा में
    - घोड़ा कंठक घोड़े का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके बारे में कहा जाता है कि बुद्ध ने अपने राजसी जीवन को छोड़ने के लिये इसका इस्तेमाल किया था।
  - एक हाथी: पूर्व में
    - हाथी रानी माया के सपने को दर्शाता है, जहाँ एक सफेद हाथी उसके गर्भ में प्रवेश करता है।
  - एक बैल: दक्षिण में
    - बैल वृषभ राशि चक्र के संकेत को दर्शाता है, जसि महीने में बुध का जन्म हुआ था।
  - एक शेर: उत्तर में
    - सहि ज्ञान की प्राप्ति को दर्शाता है।
- ऐसा लगता है कि जानवर अनंत काल तक अस्तित्व का पहला घुमाते हुए एक-दूसरे का अनुसरण करते हैं।
- मुंडक उपनिषद से सत्यमेव जयते शब्द जसिका अर्थ है 'सत्य की ही जीत होती है (Truth Alone Triumphs)', देवनागरी लिपि में शीर्ष फलक के नीचे अंकित है।
- चार सहि सभी दशाओं में धर्म का प्रसार करने वाले बुद्ध के प्रतीक हैं।
  - यह बुद्ध द्वारा पहले धर्मोपदेश की स्मृति में बनाया गया था जसि धर्मचक्रप्रवर्तन के नाम से जाना जाता है।
- कानूनी प्रावधान:
  - भारत का राज्य प्रतीक (अनुचित उपयोग का नषिध) अधिनियम, 2005 और भारत का राज्य प्रतीक (उपयोग का वनियमन) नयिम, 2007:
    - इन नयिमों के अनुसार, भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का उपयोग केवल भारत के राज्य प्रतीक (अनुचित उपयोग का नषिध) अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुसार किया जा सकता है और कोई भी अनधिकृत उपयोग कानून के तहत दंडनीय है।
    - कानून का उल्लंघन करने पर 2 साल तक की सज़ा या 2000 रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।
- उपयोग:
  - केंद्र सरकार, राज्य सरकार और अन्य सरकारी एजेंसियों के लेटरहेड पर।
  - भारत की मुद्रा पर।
  - भारत के पासपोर्ट पर।
  - राष्ट्रीय ध्वज में अशोक चक्र राष्ट्रीय प्रतीक से लिया गया है।
  - इमारतों पर:
    - राष्ट्रपति भवन
    - संसद भवन
    - सर्वोच्च न्यायालय
    - उच्च न्यायालय
    - केंद्रीय सचिवालय
    - राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सचिवालय भवन
    - राजभवन/राजनवास
    - राज्य वधिानमंडल
    - वदिशों में भारत के राजनयिक मशिन का परसिर
    - उनकी मान्यता वाले देशों में मशिन परमुखों का नवास
    - वदिशों में भारतीय वाणजिय दूतावासों के भवनों के प्रवेश द्वार पर

## मौर्य स्तंभ:

- मौर्य स्तंभ रॉक कट स्तंभ हैं जो इस प्रकार नक्काशी करने वाले के कौशल को प्रदर्शित करते हैं।
- अशोक द्वारा पत्थर के खंभे बनवाए गए थे, जो मौर्य साम्राज्य के उत्तर भारतीय हसिसे में पाए गए हैं, जनि पर शलिलेख खुदे हुए हैं।
- स्तंभ के शीर्ष भाग पर बैल, सहि, हाथी आदि की बड़ी आकृतियाँ उकेरी गई हैं।
- सभी बड़े आकार की आकृतियाँ एक वर्ग या वृत्ताकार अबेकस पर खड़ी और नक्काशीदार हैं।
  - अबेकस को कमल शैली में सजाया गया है।
- मौर्य स्तंभों के कुछ उदाहरण:
  - लौरिया नंदनगढ़ स्तंभ (पश्चिमि चंपारण, बहिर)
  - अशोक स्तंभ (सांची, मध्य प्रदेश)

- अशोक का सहि स्तंभ, (सारनाथ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश)

## भारत के कुछ अन्य राष्ट्रीय प्रतीक:

### ■ राष्ट्रीय ध्वज:

- राष्ट्रीय ध्वज भारत का एक कर्षितजि तरिगा है जिसमें सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और सबसे नीचे हरा समान अनुपात में है। झंडे की चौड़ाई और उसकी लंबाई का अनुपात दो से तीन होता है। सफेद पट्टी के केंद्र में एक गहरे नीले रंग का पहिया होता है जो चक्र का प्रतनिधित्व करता है।
- राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को **22 जुलाई, 1947** को भारत की संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था।

### ■ राष्ट्रगान:

- भारत का राष्ट्रीय गान जन-गण-मन, मूल रूप से रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा बंगाली में रचित है, **24 जनवरी, 1950** को भारत के राष्ट्रगान के रूप में संविधान सभा द्वारा इसके हिंदी संस्करण में अपनाया गया था।
- इसे पहली बार 27 दिसंबर, 1911 को **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन** में गाया गया था।

### ■ राष्ट्रीय गीत:

- **बंकिमचंद्र चटर्जी** द्वारा संस्कृत में रचित वंदे मातरम गीत।
- 24 जनवरी, 1950 को राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में कहा कि "वंदे मातरम गीत जिसने भारतीय स्वतंत्रता के संघर्ष में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है, को जन गण मन के साथ समान रूप से सम्मानित किया जाएगा और उसे साथ समान दर्जा प्राप्त होगा।"

### ■ राष्ट्रीय :

- बाघ, पैथेरा टाइगरसि एक धारीदार जानवर है। इसमें पीले रंग की गहरी धारियाँ होती हैं।

### ■ राष्ट्रीय फूल:

- कमल (नेलुम्बो न्यूसीफेरा गर्टन) भारत का राष्ट्रीय फूल है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

भारत के प्रतीक के नीचे अंकित भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य, 'सत्यमेव जयते' किससे लिया गया है। (2014)

- कथा उपनिषद
- छांदोग्य उपनिषद
- ऐतरेय उपनिषद
- मुंडक उपनिषद

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- उपनिषद वेदों का अंतिम भाग है। 108 मान्यता प्राप्त उपनिषद हैं जिनमें से 12 को सदिधांत उपनिषद माना जाता है।
- सत्यमेव जयते श्लोक मुंडक उपनिषद से लिया गया है। **मुंडक III, खंड I का श्लोक है-"सत्यमेव जयते नानर्तम सत्येन पंथा वतितो देवायनाः येनाक्रमंत्यर्सयो ह्यप्तकामा यात्रा तत सत्यस्य परमं नदिनम"**।
- अर्थात् असत्य की नहीं सत्य की ही जीत होती है, सत्य से, देवयान (देवों का मार्ग) का वस्तितार होता है, जिसके द्वारा द्रष्टा बना किसी कामना के यात्रा करते हैं जो सत्य द्वारा प्राप्त सर्वोच्च नधि है।

अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

स्रोत: द हद्दि